

भारत में 'संगम कोलैबोरेटिव' की शुरुआत: विकास की प्रगति को गति देगा नया फ़िलांथ्रोपिक मॉडल

पीरामल फाउंडेशन, गेट्स फाउंडेशन, ए.टी.ई. चंद्रा फाउंडेशन, धनम फाउंडेशन, सुरगो फाउंडेशन और चिल्ड्रन्स इन्वेस्टमेंट फंड फाउंडेशन हैं संस्थापक सहयोगी।

25 अगस्त, 2026, नई दिल्ली: देश के पांच राष्ट्रीय प्राथमिकता वाले राज्यों—झारखंड, असम, छत्तीसगढ़, ओडिशा और बिहार—में स्वास्थ्य, शिक्षा और पोषण के परिणामों में दीर्घकालिक सुधारों के उद्देश्य से आज 'संगम कोलैबोरेटिव' (Sangam Collaborative) की शुरुआत की गई। इन राज्यों में अनुमानित 7 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी (Multidimensional Poverty) से प्रभावित हैं।

भारतीय नेतृत्व के मार्गदर्शन और वैश्विक विशेषज्ञता के समन्वय से बने इस कोलैबोरेटिव में पीरामल फाउंडेशन, गेट्स फाउंडेशन, ए.टी.ई. चंद्रा फाउंडेशन, धनम फाउंडेशन, सुरगो फाउंडेशन और चिल्ड्रन्स इन्वेस्टमेंट फंड फाउंडेशन एक साथ आए हैं। यह कोलैबोरेटिव सार्वजनिक व्यवस्थाओं को मजबूत करने तथा विशेष रूप से वंचित समुदायों तक अनिवार्य सेवाओं की गुणवत्ता, पहुंच और प्रभावशीलता में सुधार लाने के लिए सरकार के साथ मिलकर काम करेगा। इस साझा उद्देश्य के लिए यह परोपकारी संस्थाओं, तकनीकी विशेषज्ञों और कार्यान्वयन सहयोगियों की क्षमताओं को एकजुट करेगा।

भारत मंडपम में आयोजित 'एवीपीएन ग्लोबल कॉन्फ्रेंस 2026' के दौरान इसके शुभारंभ के अवसर पर पीरामल फाउंडेशन के अध्यक्ष अजय पीरामल, गेट्स फाउंडेशन के सीईओ मार्क सुजमैन और ए.टी.ई. चंद्रा फाउंडेशन के सह-संस्थापक अमित चंद्रा उपस्थित थे।

संगम कोलैबोरेटिव स्थानीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए तकनीकी विशेषज्ञों के साथ मिलकर काम करेगा, ताकि स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी बुनियादी सेवाओं की आपूर्ति प्रणाली में सुधार लाया जा सके और निरंतरता, गुणवत्ता, समानता व समावेशिता सुनिश्चित की जा सके। व्यापक स्तर पर बेहतर सेवा वितरण सुनिश्चित करने के लिए संस्थागत क्षमताओं, प्रतिभा, नेतृत्व, प्रक्रियाओं और डेटा सिस्टम को मजबूत बनाना इसका मुख्य उद्देश्य होगा।

यह पहल दशकों के उन प्रमाणों पर आधारित है जो दर्शाते हैं कि सरकार, दानदाता संस्थाओं और कार्यान्वयन सहयोगियों के निरंतर साझा प्रयासों से मानव विकास के परिणामों में ठोस सुधार संभव हैं। यह कोलैबोरेटिव विशेष रूप से बिहार से प्रेरणा लेता है, जहां बिहार सरकार, गेट्स फाउंडेशन, पीरामल फाउंडेशन और अन्य सहयोगियों के बीच दीर्घकालिक साझेदारी ने राज्य की सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थाओं, जमीनी स्तर की क्षमताओं और डेटा प्रणालियों को मजबूत करने में मदद की है।

पीरामल फाउंडेशन के अध्यक्ष अजय पीरामल ने कहा, "स्थायी बदलाव तब आता है जब हम उन सार्वजनिक प्रणालियों को मजबूत करते हैं जो लोगों के दैनिक जीवन से जुड़ी हैं। 'सेवा भाव' की प्रेरणा से पीरामल फाउंडेशन ने विनम्रता और दीर्घकालिक प्रतिबद्धता के साथ सरकार व समुदायों के साथ मिलकर काम करने का मार्ग चुना है। हमारा मानना है कि भारत की जटिल चुनौतियों का समाधान कोई एक संस्था अकेले नहीं कर सकती। इसके लिए भारत और दुनिया भर की परोपकारी संस्थाओं, सरकार और विभिन्न निकायों की शक्तियों को एकजुट करना होगा। 7 करोड़ बहुआयामी गरीबी से प्रभावित आबादी वाले इन पांच राज्यों में संयुक्त प्रयास करके, हम एक अधिक मजबूत, समावेशी और समृद्ध 'विकसित भारत' के निर्माण में योगदान देने की आशा करते हैं।"

गेट्स फाउंडेशन के सीईओ मार्क सुजमैन ने कहा, "भारत ने पिछले एक दशक में बहुआयामी गरीबी को कम करने में उल्लेखनीय प्रगति की है। यह प्रगति सरकारी कार्यक्रमों की व्यापक पहुंच और प्रभावशीलता, सार्वजनिक सेवा वितरण प्रणालियों में निरंतर सुधार और बड़े पैमाने पर तकनीक व नवाचार के सटीक उपयोग को दर्शाती है। गेट्स फाउंडेशन भारत के साथ अपनी दीर्घकालिक साझेदारी और 'संगम कोलैबोरेटिव' जैसी पहलों के माध्यम से देश की विकास यात्रा का समर्थन करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।"

ए.टी.ई. चंद्रा फाउंडेशन के सह-संस्थापक अमित चंद्रा ने कहा, "इन लक्षित राज्यों में गरीबी का दायरा इतना बड़ा है कि इसे केवल दान या परोपकार के अलग-थलग प्रयासों से हल नहीं किया जा सकता। इसके लिए हमें सरकार की विशाल पहुंच, परोपकारी संस्थाओं के जोखिम उठाने की क्षमता और सिविल सोसाइटी की अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने की क्षमता को एक साथ जोड़ना होगा। यदि इसे सही तरीके से लागू किया जाए, तो यह कोलैबोरेटिव एक 'फोर्स मल्टीप्लायर' (उत्प्रेरक) बन सकता है—जो ऐसी संस्थाओं और समाधानों का निर्माण करेगा जो लाखों लोगों के जीवन में सुधार लाएंगे और 'विकसित भारत' की ओर भारत की यात्रा को गति देंगे।"

धनम फाउंडेशन के अध्यक्ष राम श्रीराम ने कहा, "बहुआयामी गरीबी की जटिलता से निपटने के लिए एकजुट प्रयास और दीर्घकालिक प्रतिबद्धता की आवश्यकता है। संगम कोलैबोरेटिव के माध्यम से हम ऐसे सहयोगात्मक प्रयासों का समर्थन करने के लिए उत्सुक हैं जो समुदायों को मजबूत बनाते हैं, बुनियादी सेवाओं की आपूर्ति में सुधार लाते हैं और वंचित वर्गों के विकास के अवसर पैदा करते हैं।"

चिल्ड्रन्स इन्वेस्टमेंट फंड फाउंडेशन की सीईओ केट हैम्पटन ने कहा, "भारत ने यह साबित किया है कि जब सरकारें, परोपकारी संस्थाएं और सहयोगी साझेदार सार्वजनिक प्रणालियों को मजबूत करने की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता के साथ मिलकर काम करते हैं, तो परिवर्तनकारी प्रगति संभव है। संगम कोलैबोरेटिव उस गति को आगे बढ़ाने और लाखों लोगों तक बेहतर स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा और आजीविका पहुंचाने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। साथ ही इससे महिलाओं और बालिकाओं के विकास के अवसरों का विस्तार होगा। मजबूत प्रणालियों, नेतृत्व और क्षमताओं में निवेश करके हम बड़े पैमाने पर गरीबी उन्मूलन के प्रयासों को तेज कर सकते हैं और ऐसे मॉडल विकसित कर सकते हैं जो भारत के बाहर भी अन्य समुदायों के काम आ सकें।"

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:

info@sangamcollaborative.org

<https://sangamcollaborative.org>